

श्रीमद् भागवत रसिक कुटुंब युगल स्तुति



जय राधे जय राधे राधे, जय राधे जय श्री राधे।

जय कृष्ण जय कृष्ण कृष्ण, जय कृष्ण जय श्री कृष्ण ॥

श्यामा गौरी नित्य किशोरी, प्रीतम जोरी श्री राधे।

रसिक रसीलो छैल छबीलो, गुण गर्वीलो श्री कृष्ण ॥ 1 ॥

रासविहारिणी रसविस्तारिणी, प्रिय उर धारिणी श्री राधे।

नव-नवरं(ङ्)गी नवल त्रिभं(ङ्)गी, श्याम सुअं(ङ्)गी श्री कृष्ण ॥ 2 ॥

प्राण पियारी रूप उजियारी, अति सुकुमारी श्री राधे।

कीरतिवन्ता कामिनीकन्ता, श्री भगवन्ता श्री कृष्ण ॥ 3 ॥

शोभाशयनी मोहानयनी, कोकिलबयनी श्री राधे।

नैन मनोहर महामोदकर, सुन्दरवरतर श्री कृष्ण ॥ 4 ॥

चन्द्राबदनी वृन्दारकनी, शोभासदनी श्री राधे।
परम उदारा प्रभा अपारा, अति सुकुमारा श्री कृष्ण ॥ 5 ॥

हं(म्)सा गमनी राजत रमनी, क्रीड़ा कमनी श्री राधे।
रूप रसाला नयन विशाला, परम कृपाला श्री कृष्ण ॥ 6 ॥

रं(ञ्)जनबेली रतिरसहेली, अति अलबेली श्री राधे।
सब सुखसागर सब गुण आगर, रूप उजागर श्री कृष्ण ॥ 7 ॥

रमणीरम्या तरुणीगम्या, भक्ताकम्या श्री राधे।
धाम निवासी प्रभा प्रकाशी, सहज सुहासी श्री कृष्ण ॥ 8 ॥

शक्त्याह्लादिनि अतिप्रियवादिनि, उरउन्मादिनि श्री राधे।
अं(ङ्)ग-अं(ङ्)ग टोना सरस सलोना, सुभग सुछौना श्री कृष्ण ॥ 9 ॥

गौरलभामिनि गुणअभिरामिनि, हरिप्रियास्वामिनी श्री राधे।
गोपी प्रियतम यशोमति हियसम, वृं(न्)दावनरम श्री कृष्ण ॥ 10 ॥

जय राधे जय राधे राधे, जय राधे जय श्री राधे।
जय कृष्ण जय कृष्ण कृष्ण, जय कृष्ण जय श्री कृष्ण॥